Roll No. .....

Y– 3296 (A)

M. A. (Fourth Semester) (SPECIAL) EXAMINATION, August 2021

[SECOND CHANCE]

SANSKRIT

PAPER—402

Roopak

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (for Regular Students) *Minimum Pass Marks :* 29

Maximum Marks : 100 (for Private Students) *Minimum Pass Marks :* 34

नोट– **सभी** प्रश्न हल कीजिए।

1. व्याख्या कीजिए– 17/20

   (अ) किं त्वं भयेन परिवर्तित सौकुमार्या
   नृत्य प्रयोगविशदौ चरणौ क्षिपन्ती
   उद्विग्नचंचलकटाक्ष विसृष्टा दृष्टि–
   र्व्याधानुसार चकिता हरिणीय यासि॥

   (ब) सुजनः खलु भृत्यानुकम्पकः
   स्वामी निर्धनकोऽपि शोभते
   पिशुनः पुनर्दृव्यगर्तितो
   दुष्करः खलु परिणाम दारुणः।

2. व्याख्या कीजिए– 17/20

   (अ) प्रवृद्धंयद्वैरं ममखलुशिशोरेव कुरुभिर्न
   तत्रार्योहेतुर्न भवति किरीटी न चयुवाँ।
   जरासन्धस्योर स्थलमिव विरूढंपुनरपि।
   क्रुधासंधिंभीमो विघटयतियूयंघट्यत्॥

   (ब) विकिर धवलदीर्घापाङ्गसंसर्पिचक्षुः।
   परिजनपथवर्तिन्यत्र किं संभ्रमेण
   स्मित मधुरमुदारं देति! मामालपोच्चैः
   प्रभवती मम पाव्योरञ्जलिः सेतितुं त्वाम्॥

3. मृच्छकटिकम रूपक के नाम की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए। 17/20

4. "हर्षवर्धन अपने युग के अनुपम साहित्यकार हैं" कथन की समीक्षा कीजिए। 17/20

5. "उत्तररामचरित" का सामान्य परिचय दीजिए। 17/20